मेरी माँ का दर है निराला | By Joginder Chanchal |

मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों
सब झोली भर लो भक्तों
सब झोली भर लो भक्तों
मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों

माँ के नाम की अलख लगाई
माँ के दर्शन पाने को
माँ के चरणों से निकली गंगा
दुनिया के कष्ट मिटाने को
मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों

14 कोस की कठिन चढ़ाई
चढ़ के दर पे आते हैं
जयकारों का शोर मचाकर
माँ को यही सुनाते हैं
मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों

कितना सुंदर रूप है माँ का
भक्तों के है मन को भाता
आओ माँ की नजर उतारें
काला टीका माँ को लगाएँ
मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों

सब झोली भर लो भक्तों
सब झोली भर लो भक्तों
मेरी माँ का दर है निराला
सब झोली भर लो भक्तों

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-joginder-chanchal/